गांव-गांव जाकर 11 हजार से अधिक किसानों से किया सीधा संवाद

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 72 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम, खरीफ फसल की तैयारी पर जोर

किसानों से संवाद करते हुए।

बीकानेर. "विकसित भारत की नींव-समर्थ किसान" के संकल्प के साथ जिले में चल रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत अब तक 72 ग्राम पंचायतों में 11,646 किसानों से सीधा संवाद किया जा चुका है। इस अभियान का उद्देश्य खरीफ फसलों की बेहतर तैयारी, नई तकनीकों की जानकारी, और सरकारी योजनाओं से किसानों को जोड़ना है। संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी ने बताया कि अभियान में कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्रों की चार संयुक्त टीमें काम कर रही हैं। ये टीमें अब तक 180 गांवों में शिविर आयोजित कर चुकी हैं।

प्रत्येक टीम में कृषि विज्ञान केन्द्रों और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (काजरी, सीआईएएच, घोड़ा अनुसंधान केंद्र, भेड़-बकरी अनुसंधान केंद्र, मूंगफली अनुसंधान केंद्र) के विशेषज्ञ, कृषि और उद्यानिकी विभाग के अधिकारी, क्षेत्रीय नवाचारी किसान शामिल हैं।

रायसर में संवाद, खरीफ पर विशेष चर्चा

मंगलवार को रायसर ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में शुष्क बागवानी संस्थान के निदेशक जगदीश राणे, संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी, वैज्ञानिक विजय सिंह (काजरी), एस.आर. मीणा और धुरेन्द्र सिंह (सीआईएएच) ने किसानों से संवाद किया।

अधिकारियों ने खरीफ सीजन की प्रमुख चुनौतियों जैसे जल संकट, कीट प्रबंधन, बीज चयन और तकनीकी मार्गदर्शन पर किसानों को जानकारी दी। सहायक निदेशक (उद्यानिकी) मुकेश गहलोत ने कार्यक्रम में किसानों को उद्यानिकी विभाग की वर्तमान योजनाएं, सब्सिडी और नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों को सरकारी अनुदान, बीज वितरण और तकनीकी प्रशिक्षण के लाभ लेने का आग्रह किया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान : कृषि विशेषज्ञों किसानों से किया सीधा संवाद

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम के तहत जिले में अब तक 11 हजार से अधिक किसानों से संवाद किया गया है। संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र व कृषि विभाग की संयुक्त चार टीमों के माध्यम से 180 ग्रामों में इस अभियान के तहत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक में 72 ग्राम पंचायतों में 11 हजार 646 किसानों से सीधा संवाद किया है। प्रत्येक टीम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय वैज्ञानिक, कृषि उद्यान अधिकारी व नवाचारी किसानों की टीमें गांव गांव जाकर किसानों से चर्चा कर रही है। अभियान के तहत मंगलवार को रायसर में आयोजित कार्यक्रम में शुष्क बागवानी संस्थान निदेशक जगदीश राणे, संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी, वैज्ञानिक काजरी विजय सिंह, वैज्ञानिक सीआईएएच एस आर मीना, वैज्ञानिक सीआईएएच धुरेन्द्र सिंह ने किसानों से संवाद किया। इस दौरान कृषि विभाग उद्यानिकी से सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने किसानों को कृषि उद्यानिकी विभाग द्वारा देय विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य आगामी खरीफ फसलों की पैदावार को बढ़ाने के साथ किसानों को इन फसलों में आने वाली चुनौतियों और समस्याओं से निपटने के लिए तैयार करना है। इस दौरान स्थानीय प्रगतिशील नवाचारी किसानों के अनुभव भी साझा किए गए। खेत की मिट्टी के नमूने लिए गए कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ मदन लाल रेगर ने बताया कि विभिन्न संस्थाओं के समन्वय से चार टीमें बनाई गई है। कृषि विज्ञान केन्द्र बीकानेर टीम एक का नेतृत्व डॉ मदनलाल रेगर, टीम दो का नेतृत्व डॉ केशव मेहरा कर रहे हैं। वहीं कृषि विज्ञान केन्द्र लूणकरनसर टीम एक का नेतृत्व डॉ आर के सिवरान, टीम दो का नेतृत्व डॉ भगवत सिंह कर रहे हैं। अभियान में कृषि विपणन अधिकारी व पशुपालन अधिकारी के साथ कृषि विभागीय अधिकारी रमेश भाम्भू कृषि अधिकारी, सहायक कृषि अधिकारी लक्ष्मण सिंह शेखावत, सरपंच महावीर जाट व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।